कपड़ा उद्योग का हब बनेगी राजधानी

माल के अटारी गांव और हरदोई की जमीन मिलाकर टेक्सटाइल पार्क लेगा आकार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राजधानी कपड़ा निर्माण का हब बनने की ओर अग्रसर है। करीब एक हजार एकड़ जमीन पर बनने वाले टेक्सटाइल पार्क के आकार लेने के साथ ही ये संभव होगा। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट में जमीन के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि पार्क के लिए माल के अटारी गांव और हरदोई में जमीन का कुछ हिस्सा चिन्हित किया गया है। ये जमीन उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि की है, जिसकी लीज भी खत्म हो रही है। उन्हें बतौर मुआवजा 20 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। जमीन पर और आसपास अवस्थापना के विकास पर करीब 500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

प्रतीकात्मक

बजट में जमीन के लिए 20 करोड़ का प्रावधान

200 नई यूनिट लगने के आसार

02 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

निर्यात में हो जाएंगे सक्षम

संयुक्त आयुक्त ने कहा कि लखनऊ के आसपास के शहर कई प्रकार के उद्योगों पर निर्भर हैं। इनमें से कपड़ा उद्योग प्रमुख है। पार्क के विकसित होने से लगभग हम दो लाख लोगों को रोजगार देने में सक्षम होंगे। साथ ही टेक्सटाइल उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के साथ ही दूसरे राज्यों के साथ-साथ निर्यात में भी हम सक्षम हो पाएंगे।

■ *14 प्रकार की टेक्निकल टेक्सटाइल :* संयुक्त आयुक्त हथकरघा कैलाश प्रताप वर्मा ने बताया कि 40 प्रतिशत जमीन तो अवस्थापना में इस्तेमाल होगी। शेष जमीन पर 200 के करीब यूनिटें लगने का अनुमान है। दरअसल टेक्सटाइल भी अलग-अलग प्रकार की होती है। जिस कपड़े का इस्तेमाल जहां हो रहा है, उसके प्रकार उसी पर निर्भर करते हैं। एग्रो टेक्सटाइल, जियो टेक्सटाइल, मोबिल टेक, स्पोर्टटेक आदि कुल 14 प्रकार हैं, टेक्सटाइल के। पार्क में धागे से लेकर फाइबर गारमेंट तक सब तैयार किया जाएगा।